अमर भारती

एक उम्मीद

04 प्रदेश, 06 संस्करण

अंक: 133, पृष्ठ: 12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com सोमवार, 11 मई 2026 शक सम्वत् 1948,

कुलपति ने मातृ-शक्तियों को मदर्स डे पर दी शुभकामनाएं

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने मदर्स डे के अवसर पर मातृशक्ति को नमन करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।उन्होंने माताओं को परिवार का आधार, निस्वार्थ प्रेम और त्याग की प्रतिमूर्ति बताया। कुलपति ने मातृ दिवस के मौके पर शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती जागरूकता की सराहना की। उन्होंने मां को बच्चों की पहली गुरु, रक्षक और सबसे अच्छी दोस्त के रूप में याद किया। साथ ही कहा कि यह दिन विश्व स्तर पर मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है, जो माताओं के निस्वार्थ प्रेम और समाज में उनके योगदान को मान्यता देता है। उन्होंने कहा कि माताओं से अच्छा अपने बच्चों का ख्याल दूसरा कोई नहीं रख सकता है । मां इस पृथ्वी पर ईश्वर कि श्रेष्ठ रचना है। माता जन्म देने वाली हो या मातृभूमि हो, माता का स्थान दूसरा कोई नहीं ले सकता। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय कानपुर देश के विद्यार्थियों को योग्य नागरिक बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 17 अंक : 305 कानपुर, सोमवार 11 मई 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कुलपति ने मातृशक्तियों को मदर्स डे पर दी शुभकामनाएं

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने मदर्स डे के अवसर पर मातृशक्ति को नमन करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं ।उन्होंने माताओं को परिवार का आधार, निस्वार्थ प्रेम और त्याग की प्रतिमूर्ति बताया। कुलपति ने मातृ दिवस के मौके पर शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती जागरूकता की सराहना की। उन्होंने मां को बच्चों की पहली गुरु, रक्षक और सबसे अच्छी दोस्त के रूप में याद किया। साथ ही कहा कि यह दिन विश्व स्तर पर मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है, जो माताओं के निस्वार्थ प्रेम और समाज में उनके योगदान को मान्यता देता है। उन्होंने कहा कि माताओं से अच्छा अपने बच्चों का ख्याल दूसरा कोई नहीं रख सकता है । मां इस पृथ्वी पर ईश्वर कि श्रेष्ठ रचना है। माता जन्म देने वाली हो या मातृभूमि हो, माता का स्थान दूसरा कोई नहीं ले सकता। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय कानपुर देश के विद्यार्थियों को योग्य नागरिक बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

दैनिक जागरण 11/05/2026

सीएसए में गेस्ट फैकल्टी की जगह सहायक आचार्य होंगे नियुक्त

नियमित शिक्षकों के रिक्त पदों के कारण प्रभावित हो रही पढ़ाई

- एकेडमिक काउंसिल की बैठक में पास किया जाएगा प्रस्ताव
- विश्वविद्यालय में 224 पदों में 188 पड़े हैं खाली

सीएसए● सीएसए

57700
रुपए वेतन दिया जाएगा सहायक आचार्य को यूजीसी मानकों के अनुसार

1500
रुपये प्रति लेक्चर व अधिकतम 50 हजार रुपये दिया जाता है गेस्ट फैकेल्टी को

जागरण संवाददाता, कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में शिक्षकों की कमी दूर करने और शैक्षणिक गुणवत्ता मजबूत करने के लिए भर्ती प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने गेस्ट फैकल्टी व्यवस्था समाप्त कर उनकी जगह सहायक आचार्य (संविदा) पद पर संविदा नियुक्ति का प्रस्ताव तैयार किया है। विश्वविद्यालय में लंबे समय से नियमित शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया विभिन्न कारणों से प्रभावित रही है। ऐसे में पढ़ाई और शोध कार्य प्रभावित न हो, इसके लिए प्रशासन ने नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी शुरू की है।

विश्वविद्यालय में अभी तक गेस्ट फैकल्टी को प्रति लेक्चर 1500 रुपये अथवा अधिकतम 50 हजार रुपये प्रतिमाह का भुगतान किया जाता था, लेकिन नई व्यवस्था लागू होने के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मानकों पर चयनित शिक्षकों को सहायक आचार्य (संविदा) के वेतनमान के अनुसार 57,700 रुपये ग्रेड पे के साथ भुगतान किया जाएगा। अगर किसी पद पर चयनित शिक्षक यूजीसी के मानक को पूरा नहीं करता है तो उसे 40 हजार रुपये वेतन दिया जाएगा। विश्वविद्यालय में प्रदेश सरकार की ओर से निर्धारित 224 पदों में 188 पद खाली पड़े है। जिन्हें भरने के लिए विज्ञापन भी जारी किया गया, पर यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। इससे विश्वविद्यालय का शिक्षण कार्य तो प्रभावित हो रही रहा है, साथ ही उसको राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) मूल्यांकन, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) से प्रत्यायन (आधिकारिक मान्यता) या राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा (एनआइआरएफ) जैसी वैश्विक रैंकिंग में शामिल होने में दिक्कतें हो रही है। कृषि विश्वविद्यालय होने के कारण सीएसए को आइसीएआर से ग्रेडिंग प्राप्त होनी भी जरूरी है। विश्वविद्यालय की आइसीएआर ग्रेडिंग वर्ष 2020 में समाप्त हो चुकी है, पर शिक्षकों की कमी के कारण उसे दोबारा से इस ग्रेडिंग के लिए आवेदन करने में दिक्कत हो रही है। आइसीएआर हर साल कृषि विश्वविद्यालयों को आर्थिक मदद प्रदान करता है, जिसे वहां की शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध गतिविधियों को मजबूत किया जाता है। ग्रेडिंग समाप्त होने से सीएसए का यह ग्रांट भी रुक गई है।

एकेडमिक काउंसिल की मंगलवार को होने वाली बैठक में गेस्ट फैकेल्टी के नाम को बदलकर सहायक आचार्य (संविदा) करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की जाएगी। साथ ही सरकार की ओर से तय वेतनमान उन्हें दिया जाएगा। इसके अलावा कुछ अन्य प्रस्ताव भी रखेंगे जाएंगे। -रेनू सिंह, कुलसचिव, सीएसए

बच्चों की पहली गुरु और सबसे अच्छी दोस्त होती है मां

कानपुर, 10 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने आज मदर्स डे के अवसर पर मातृशक्ति को नमन करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उन्होंने माताओं को परिवार का आधार, निस्वार्थ प्रेम और त्याग की प्रतिमूर्ति बताया। कुलपति ने मातृ दिवस के मौके पर शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती जागरूकता की सराहना की। उन्होंने मां को बच्चों की पहली गुरु, रक्षक और सबसे अच्छी दोस्त के रूप में याद किया। साथ ही कहा कि यह दिन विश्व स्तर पर मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है, जो माताओं के निस्वार्थ प्रेम और समाज में उनके योगदान को मान्यता देता है। उन्होंने कहा कि माताओं से अच्छा अपने बच्चों का ख्याल दूसरा कोई नहीं रख सकता है। मां इस पृथ्वी पर ईश्वर कि श्रेष्ठ रचना है। माता जन्म देने वाली हो या मातृभूमि हो, माता का स्थान दूसरा कोई नहीं ले सकता।